समाचार व विज्ञापन के लिए सम्पर्क करे
मुबारक खान
सम्पादक
मो. 9214839374

RNI Title Code : RAJBIL27060

फतेह एक्सप्रेस

राष्ट्रीय द्विभाषीय पाक्षिक समाचार पत्र

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाए

वर्ष 01 अंक : 03 | अजमेर, 25 जनवरी, 2024 | मूल्य ₹ 4 | पृष्ठ-4

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में बोले मोदी- 'राम आग नहीं, ऊर्जा'

देशभर में दीपोत्सव, अयोध्या में राम की पैड़ी पर एक लाख दीये जले

अयोध्या में 6 दिन चले अनुष्ठान के बाद सोमवार 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो गई। पूजा में पीएम नरेंद्र मोदी, यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ, आरआरएस प्रमुख मोहन भागवन समेत 6 यजमान शामिल हुए। 51 इंच की नई मूर्ति पिछले सप्ताह ही मंदिर में रखी गई है।

नई दिल्ली। मोदी दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर हाथ में चांदी का छत्र और लाल अंगवस्त्र लेकर मंदिर पहुंचे। फिर कमल के फूल से पूजा-अर्चना की। आखिर में पीएम ने रामलला को साष्टांग प्रणाम किया।

मंत्रों के वाचन के दौरान, गर्भगृह में मुहूर्त टाइम 12.30.00 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने हाथ से कुशा और श्लाका खीचा। 10 सेकेंड का मंत्रोच्चार हुआ, मूर्ति पर अक्षत छोड़ा गया। भगवान का पूजन हुआ। चेन्नई से आए कमल के 108 फूलों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान की अर्चना की, आरती उतारी और भगवान राम प्रतिष्ठित हो गए।

भगवान राम के 108 नाम हैं, इसलिए कमल के 108 फूल चढ़ाए गए। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान कुल 28 वैदिक विद्वानों की मौजूदगी रही। प्राण प्रतिष्ठा के बाद आरती की गई। शंख, घंटे और डमरू आदि बजने लगे। आरती शुरू होने के साथ ही विग्रह के आगे लगा पर्दा हटा।

आरती के साथ-साथ वैदिक पंडितों द्वारा एक विशिष्ट मंत्र का घोष किया गया। आरती समाप्त और श्रीराम का जयघोष करके प्राण प्रतिष्ठा का विशेष कर्मकांड समाप्त कर दिया गया।

प्राण प्रतिष्ठा के बाद प्रधानमंत्री ने निर्मोही अखाड़ा के स्वामी गोविंदगिरि के हाथ से जल पीकर 11 दिन उपवास खोला। शाम को राम की पैड़ी पर एक लाख से ज्यादा दीए जलाकर दीपोत्सव मनाया गया। कल (मंगलवार) से भक्तों के लिए रामलला का मंदिर खोल दिया जाएगा। यानी कोई भी श्रद्धालु मंदिर में जाकर रामलला के दर्शन कर सकेगा। प्राण प्रतिष्ठा के दौरान पीएम मोदी का भक्तिभाव और समर्पण साफ तौर पर दिखाई दे रहा था। पीएम ने प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने के बाद राम नाम का जाप भी किया। मोदी ने कहा- कुछ लोग कहते थे कि राम मंदिर बना तो आग लग जाएगी। आज आग नहीं, ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि राम व्यापक हैं, विश्व हैं, विश्वात्मा हैं। राम मंदिर अनुष्ठान की शुरुआत होने से पहले पीएम मोदी ने रामलला को साष्टांग प्रणाम किया।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आए मेहमानों को उपहार में मिला प्रसादम

श्रीराम जन्मभूमि में तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मेहमानों को अयोध्या पर किताब, मेटल से बना दीया, एक विशेष माला और राम नामी दुपट्टा दिया। किताब का शीर्षक अयोध्या धाम - द लॉर्ड्स एबोड है, जिसके कवर पर रामलला की पुरानी मूर्ति की तस्वीर भी है।

रामलला ने पहने 5 किलो सोने के आभूषण

रामलला सिंहासन पर विराजमान हो गए हैं। 5 साल के बालक रूप में विराजमान रामलला का सोने के आभूषणों से श्रृंगार देख लोग भाव-विभोर हो गए। 200 किलो की प्रतिमा को 5 किलो सोने के जेवरात पहनाए गए हैं। नख से ललाट तक भगवान जवाहरतों से सजे हुए हैं।
रामलला ने सिर पर सोने का मुकुट पहना है। मुकुट में लाल और हरे रंग के र% जड़े हुए हैं। इसमें किनारे मोतियों की झालर लटकी हुई है। माथे के बीचों-बीच सफेद धातु से बना तिलक बना हुआ है। कमर में करधनी, कान में सोने के कुंडल पहने हुए हैं। गले में हरा-सफेद और लाल रंग के मोतियों की दिव्य-भव्य माला है। इसका पैंडल रामलला की नाभि तक लटक रहा है।

माला एक कपड़े की थैली में है जिस पर उत्तर प्रदेश पर्यटन की टैगलाइन है। मेहमानों को चार लड्डू, चिप्स, रेवड़ी, काजू और किशमिश का डिब्बा भी मिला।

राम मंदिर की नई मूर्ति का नाम बालक राम रखा

अयोध्या के राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की गई भगवान राम की नई मूर्ति को बालक राम के नाम से जाना जाएगा। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल रहे पुजारी अरुण दीक्षित ने बताया- नई मूर्ति का नाम बालक राम रखने का कारण यह है कि प्रभु एक बच्चे की तरह दिखते हैं, जिनकी उम्र 5 साल है।

आम लोगों के लिए खुले रामलला के पट : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने 15 जनवरी को बताया था कि 23 जनवरी से मंदिर हर रामभक्त के लिए खुला रहेगा। 22 जनवरी की रात नए मंदिर में रामलला की पहली शयन आरती हुई। इसके बाद पट बंद कर दिए गए। 23 जनवरी को उत्थान आरती के बाद मंदिर सभी श्रद्धालुओं के लिए खुल गया है।

रेलवे में निकली ग्रुप डी के लिए नौकरियां, दसवीं पास करें आवेदन

नई दिल्ली। दसवीं पास उम्मीदवारों के लिए इंडियन रेलवे में ग्रुप डी पदों पर भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। उम्मीदवार आखिरी तारीख 19 फरवरी 2024 तक आवेदन कर सकेंगे। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट rcf.indianrailways.gov.in पर जाकर ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते है। इन पदों की भर्ती के लिए एससी, एसटी, ओबीसी या ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए कोई आरक्षण मौजूद नहीं है।

इन पदों के लिए अनिवार्य योग्यता : यह भर्ती स्पोर्ट्स कोटे के तहत की जा रही है। जिसके लिए उम्मीदवार राज्य, नेशनल, इंटरनेशनल या कॉलेज लेवल बास्केटबॉल, रेसिंग, ₹ ॉस कंट्री, फुटबॉल आदि मान्यता प्राप्त खेलों के खिलाड़ी योग्य माने जाएंगे। जिनके पास इन खेलों में से किसी एक खेल में प्राप्त मान्य सर्टिफिकेट होनी चाहिए। साथ ही उम्मीदवार का किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से दसवीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा आईटीआई या नैक (नेशनल अप्रेंटाइसशिप सर्टिफिकेट) होना चाहिए।

अब बायो मैट्रिक्स से कराना होगा फर्म का पंजीयन, बोगस फर्मों पर कसेगी नकेल

अजमेर. केन्द्रीय जीएसटी के तहत फर्मों का पंजीयन करा करोड़ों रुपए का लेन-देन दिखा टैक्स इनवॉइस के जरिए लाखों रुपए की राशि वसूलना अब आसान नहीं होगा। विभाग ने इसके लिए कड़े नियम बनाए हैं। इसमें निर्धारित सीमा से अधिक टर्नओवर वाली फर्मों को विभाग के पोर्टल से इनवॉइस निकालना होगा। इससे माल का परिवहन व उसकी लोकेशन भी पता चल सकेगी। अब बायो मैट्रिक्स पंजीयनविभाग ने किसी भी नई फर्म के पंजीयन के लिए नियमों में परिवर्तन किया है। अब तक ऑनलाइन पंजीयन प्रि या के कारण कई बोगस फर्में खड़ी हो गई थीं। नए नियम के तहत पंजीयन कराने वाले कारोबारी को निकटतम सेवा केन्द्र में जाकर बायोमैट्रिक पंजीयन कराना होगा। जिससे उसके सभी दस्तावेजों की पुष्टि की जा सकेगी।

टूट गया 'इंडिया' गठबंधन? ममता बनर्जी ने बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का किया ऐलान

नई दिल्ली । लोकसभा चुनाव से पहले विपइंडिया गठबंधन को पश्चिम बंगाल में जोर का झटका लगा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी ने एकला चलो का नारा दे दिया है. ममता बनर्जी ने ऐलान कर दिया है कि टीएमसी लोकसभा चुनाव में अकेले ही चुनाव मैदान में उतरेगी. ममता के इस ऐलान के साथ ही विपइंडिया गठबंधन की तस्वीर और भविष्य पर संकट के बादल गहरे हो गए हैं।

ममता बनर्जी जख्मी, टक्कर से बचने को अचानक कार के ब्रेक मारने पर लगी चोट

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उस समय चोटिल हो गईं जब उनकी कार को एक अन्य वाहन से टक्कर से बचाने के लिए अचानक रोकना पड़ा। जानकारी के अनुसार इस घटना में ममता बनर्जी को हल्की चोट लगी है। घटना को लेकर मिली जानकारी के अनुसार ड्राइवर के बगल में आगे बैठी ममता बनर्जी का सिर विंडस्क्रीन से टकरा गया जिससे उनके सिर में चोट लग गयी। एक अधिकारी ने बताया कि सीएम को वापस कोलकाता लाया जा रहा है जहां डॉक्टर उनकी देखभाल करेंगे।

ममता बनर्जी ने जब यह ऐलान किया, उपेक्षा का दर्द और तल्खी भी झलकी। उन्होंने कहा कि मैंने जो भी सुझाव दिए, वह सभी नकार दिए गए। इन सबके बाद हमने बंगाल में अकेले जाने का फैसला किया। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना यह भी कहा कि वह पश्चिम बंगाल में यात्रा करने जा रहे हैं, इसकी जानकारी शिष्टाचार के नाते भी उनको नहीं दी गई।

अवैध खनन के विरूद्ध अभियान

अजमेर। अवैध खनन के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के अन्तर्गत जिले में प्रभावी कार्यवाही करते हुए मंगलवार को अवैध स्टॉक जब्त किया गया।

खनि अभियन्ता जयप्रकाश गोदारा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित के निर्देशानुसार अधीक्षण खनि अभियन्ता पुष्कर राज आमेटा की देखरेख में जिले में अवैध खनन के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। मंगलवार को गेगल थाना क्षेत्रा में खान विभाग, राजस्व विभाग, पुलिस, वन विभाग एवं परिवहन विभाग के दलों ने औचक कार्यवाही को अंजाम दिया। एमसेण्ड का अवैध स्टॉक करने वाले के विरूद्ध कार्यवाही कर 50 टन स्टॉक जब्त किया गया। जुर्माना भी वसूल किया गया। जिले में अवैध खनन के विरूद्ध यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

ज्ञानवापी मामले में जिला जज का आदेश, सार्वजनिक की जाएगी सर्वे रिपोर्ट की हार्ड कॉपी

नई दिल्ली। ज्ञानवापी परिसर की सीलबंद सर्वे रिपोर्ट को लेकर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया। जिला जज ने सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने पहले ही रिपोर्ट अदालत में दाखिल की थी।

हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा आज अदालत ने दोनों पक्षों को सुना और सहमति बनी कि स्ढ्ढ की रिपोर्ट की हार्ड कॉपी दोनों पक्षों को दी जाएगी। स्ढ्ढ ई-मेल के माध्यम से रिपोर्ट देने पर आपत्ति जता रही थी, इसलिए दोनों पक्ष रिपोर्ट की हार्ड कॉपी प्राप्त करने पर सहमत हुए। नकल के लिए पक्षकार कोर्ट में आवेदन देंगे।

मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी सीता साहू, रेखा पाठक, मंजू व्यास और लक्ष्मी देवी की तरफ से सर्वे रिपोर्ट की प्रति दिए जाने का अनुरोध अदालत से किया गया था। वादिनी महिलाओं का कहना था कि यह जनहित का मुद्दा है। इसे गोपनीय बनाकर हौव्वा बनाया जा रहा है। हिंदू पक्ष की ही एक अन्य वादिनी राखी सिंह का कहना था कि अदालत में दाखिल रिपोर्ट के अध्ययन का अधिकार वादी पक्ष को है।

वहीं, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी का कहना है कि यदि सर्वे रिपोर्ट वादिनी महिलाओं को दी जाती है तो उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए। उधर, एएसआई का कहना है कि जब तक प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के मुकदमे में ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट की प्रति वह दाखिल न कर दे, तब तक उसे सार्वजनिक न किया जाए।

राम मन्दिर के गर्भगृह में घुस गया वानर, भक्तों से लेकर सुरक्षाकर्मी सब हो गए हैरान

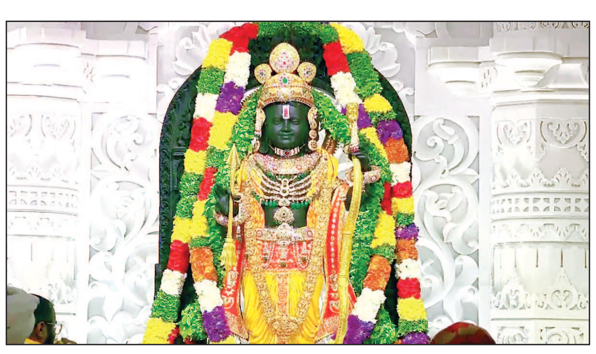

नई दिल्ली। अयोध्या में इन दिनों राम भक्तों का रेला निकल रहा है। अनगिनत संख्या में राम भक्त राम मंदिर में रामलला के दर्शन करने के लिए पहुंच रहे है। लाखों की संख्या में भक्त अपने प्रभु रामलला के दर्शन कर रहे है। रामलला के दर्शन करने के लिए लाखों की संख्या में कतारों में भक्त खड़े हुए है। भक्तों की भारी भीड़ को देखकर मंदिर प्रशासन से लेकर स्थानीय प्रशासन को भी भक्तों की भीड़ को संभालने के लिए जुटना पड़ा है।

इसी बीच राम मंदिर में ऐसी घटना हुई है जिसे देखकर और सुनकर हर व्यक्ति भाव विभोर हो गया है। वैसे तो इन दिनों सिर्फ अयोध्या नगरी ही नहीं बल्कि पूरा देश ही राम के रंग में रंगा हुआ है। इसी बीच राम मंदिर में कुछ ऐसा घटित हुआ है जो अचंभित करने वाला है। राम मंदिर के गर्भ गृह में बीते दिनों एक बंदर घुस गया। ये ऐसा पल था जब गर्भगृह में मौजूद भक्तों को लगा की साक्षात भगवान हनुमान रामलला के दर्शन के लिए पधारे हैं।

जानकारी के मुताबिक दक्षिणी द्वार से होते हुए एक बंदर गूढ़ मंडप से गुजरते हुए गर्भगृह में प्रवेश कर गया। इस बंदर ने उत्सव मूर्ति तक रास्ता बनाया। सुरक्षाकर्मियों ने देखा कि बंदर मूर्ति को जमीन पर ना गिरा दे मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ। बंदर बेहद शांति के साथ उत्तरी द्वार तक पहुंचा। उत्तरी द्वार बंद होने के कारण पूर्व दिशा की तरफ बढ़ा और भक्तों के बीच होते हुए पूर्वी द्वार से बाहर चला गया। इस दौरान उसने किसी भक्त को कोई चोट नहीं पहुंचाई। सुरक्षाकर्मियों और भक्तों का कहना है कि बंदर द्वारा मंदिर में इस तरह से आने से ये ही अनुभूति हुई की साक्षात हनुमान जी ही मंदिर में रामलला के दर्शन करने पहुंचे है।

सम्पादकीय

अक्षय ऊर्जा स्रोतों को लेकर आम लोगों के बीच जागरूकता पैदा करने की जरूरत

इ बढ़ती जरूरतों और सीमित संसाधनों के बीच प्राथमिकताओं का निर्धारण वक्त का तकाजा है, ताकि दुनिया में आम जीवन को लेकर एक संतुलन कायम रहे। मुश्किल तब आती है जब किसी मामले में निर्भरता की वजह से कई तरह की समस्याएं खड़ी होने लगती हैं। इस संदर्भ में देश की ऊर्जा जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों पर गौर किया जा सकता है कि किस तरह पेट्रोलियम उत्पाद, कोयला, गैस आदि आज ऊर्जा के मुख्य स्रोत हैं। मगर यह छिपा नहीं है कि इनकी लगातार घटती उपलब्धता और बढ़ती कीमत की वजह से आज इस मामले में भविष्य को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं और विकल्प की राह निकाली जा रही है। इसी ₹ म में सोमवार को प्रधानमंत्री ने एक नई योजना की घोषणा की, जिसके तहत केंद्र सरकार देश भर में एक करोड़ घरों की छतों पर सौर पैनल लगवाएगी। 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' का लक्ष्य अगर जमीन पर उतरा तो इससे गरीब और मध्यवर्ग के बिजली खर्च में उल्लेखनीय बचत होगी। साथ ही एक बड़ा बदलाव देश की ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति में आएगा और भारत के लिए इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर होने की राह खुलेगी।

दरअसल, प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों की आसान उपलब्धता के बावजूद इस मामले में ज्यादा प्रगति इसलिए नहीं हो पाई कि लोगों के बीच सौर पैनल या ऐसे अन्य संसाधनों को लेकर पर्याप्त जागरूकता का अभाव रहा है। इस वजह से लोग कई स्तरों पर अपनी रोजमर्रा की जरूरतों को आसान बनाने के लिए या तो ऊर्जा की कमी या मुश्किल का सामना करते हैं या फिर उनके लिए ऊंची कीमत चुकाते हैं।

जबकि भारत में धूप और रोशनी की असीमित उपलब्धता में अगर सौर ऊर्जा जैसे विकल्प आजमाए जाएं तो इस क्षेत्र में बड़ा बदलाव हो सकता है। आमतौर पर जो विकल्प सामने होते हैं, लोग उसी दायरे में अपना जीवन-बसर करते रहते हैं, भले ही खोजने पर उससे आसान और सस्ते संसाधन मिल जाएं। पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के मुकाबले सौर ऊर्जा को लेकर भी यही स्थिति है। कम या मामूली खर्च में बिजली मिलने का विकल्प होने के बावजूद इस तक आम लोगों की पहुंच आमतौर पर नहीं हो पाती है। इसलिए 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' के लक्ष्य की अहमियत समझी जा सकती है।

मौजूदा दुनिया में ऊर्जा की बढ़ती खपत और उपलब्धता की सीमा के लिहाज से देखा जाए तो सौर ऊर्जा आने वाले वक्त में इस क्षेत्र में एक अनिवार्य विकल्प होगा। जहां तक भारत का सवाल है, अगले एक दशक में यहां ऊर्जा की मांग में भारी बढ़ोतरी हो सकती है और इसकी पूर्ति में सौर ऊर्जा की बड़ी भूमिका होगी। फिलहाल देश में तापीय ऊर्जा ही मुख्य स्रोत है, जिसकी निर्भरता जीवाश्म ईंधन पर है। ऐसे अनेक आकलन सामने आ चुके हैं, जिनके मुताबिक दुनिया में बढ़ते तापमान और जलवायु संकट के लिए जिम्मेदार कार्बन डाइआक्साइड और अन्य दूषित तत्त्व का मुख्य स्रोत जीवाश्म ईंधन हैं। यों सरकारें सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कई प्रोत्साहन कार्य₹ म चलाती रही हैं। मगर जरूरत इस बात की है कि आम लोगों के बीच अक्षय ऊर्जा स्रोतों को लेकर जागरूकता पैदा हो और इसकी उपलब्धता को आसान और रियायती बनाया जाए। यह जगजाहिर है कि विकास की होड़ में प्राकृतिक संसाधनों की कैसी बर्बादी हुई है और इसका असर पृथ्वी और समूचे जलवायु पर क्या पड़ रहा है। इस लिहाज से भी अगर सौर ऊर्जा को बढ़ावा दिया जाता है, तो इसे भविष्य की तैयारी के तौर पर देखा जा सकता है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारों से प्रतिरोधी आवाजों को सम्मान करने की अपेक्षा उचित

रा जनीतिक यात्राएं पहले भी राजनेता करते रहे हैं, मगर जिस तरह का टकराव भारत जोड़ो न्याय यात्रा और असम सरकार के बीच देखने को मिल रहा है, वैसा शायद कभी नहीं हुआ। हालांकि इसके कयास पहले से लगाए जा रहे थे, क्योंकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा के बीच पहले से तल्ख रिश्ते रहे हैं।

यात्रा के असम में प्रवेश करते ही राहुल गांधी ने असम सरकार पर तीखा प्रहार कर दिया। उसे देश की सबसे भ्रष्ट सरकार कह दिया। उनकी प्रति₹ या में हिमंत बिस्व सरमा ने पूरे गांधी परिवार को ही भ्रष्ट करार दे दिया। ऐसी बयानबाजियां दलगत राजनीति में कोई नई बात नहीं हैं। पक्ष और प्रतिपक्ष एक-दूसरे पर, खासकर चुनाव नजदीक आने पर, ऐसे जुबानी हमले करते ही हैं।

मगर जैसा कि कांग्रेस का आरोप है, राहुल गांधी की यात्रा में शामिल वाहनों पर पथराव किया गया, उसे शायद ही कोई उचित माने। फिर मुख्यमंत्री खुद इस यात्रा को अनुशासित करने के नाम पर मैदान में उतर आए। उन्होंने कानून-व्यवस्था बिगाड़ने और लोगों को उकसाने के आरोप में यात्रा में शामिल कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश दे दिया। उधर असम प्रशासन ने राहुल गांधी को श्रीमंत शंकरदेव के मंदिर जाने से रोक दिया। गुवाहाटी शहर में भी यात्रा को प्रवेश की इजाजत नहीं दी गई।

राहुल गांधी असम सरकार की अड़चनों का भरपूर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं, मगर उनसे भी लोकतांत्रिक मर्यादाएं समझने की अपेक्षा की जाती है।

यह ठीक है कि कानून-व्यवस्था राज्य सरकार का विषय है और अगर उसे लगता है कि किसी यात्रा या राजनीतिक गतिविधि से सामान्य जनजीवन प्रभावित हो सकता, सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता या फिर यात्रियों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो सकता है, तो वह उसे रोक सकती है। मगर सवाल यह भी है कि ऐसी यात्राओं के रास्ते अचानक तय नहीं होते, पहले ही प्रशासन से इसकी इजाजत ले ली जाती है, फिर असम सरकार को वहां यात्रा पहुंचने के बाद ऐसे खतरे क्यों समझ आए? इससे यही संदेश गया है कि असम सरकार को यह यात्रा राजनीतिक रूप से रास नहीं आ रही है। राजनीतिक नफे-नुकसान का आकलन हर राजनीतिक दल करता है, इसमें कोई बुराई नहीं। मगर एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकारों से प्रतिरोधी आवाजों का सम्मान करने की अपेक्षा की जाती है। जब एक बार न्याय यात्रा का रास्ता तय हो गया था, तो उसे चलने दिया जाता, तब शायद ऐसे विवाद की नौबत न आती। असम के मुख्यमंत्री ने यात्रा के मार्ग में अवरोध खड़े करने की कोशिश करके बेवजह अपने खिलाफ नाराजगी को न्योता दे दिया। हालांकि राहुल गांधी असम सरकार की अड़चनों का भरपूर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास कर रहे हैं, मगर उनसे भी लोकतांत्रिक मर्यादाएं समझने की अपेक्षा की जाती है। विपक्षी दल का नेता होने के नाते उन्हें सत्ता पक्ष की कमियां गिनाने का हक तो है, मगर सीमा में रहते हुए ही उन्हें बातें बोलनी चाहिए। जैसा कि हिमंत बिस्व सरमा का आरोप है, उनके बयानों से लोगों में उत्तेजना पैदा हो रही है, राहुल गांधी से भाषा और तथ्यों का ध्यान रखने की स्वाभाविक अपेक्षा की जाती है।

छिपी बात नहीं है कि राहुल गांधी की यात्रा दलगत फायदे के लिए निकाली गई है। उसमें जहां भी कांग्रेस के अलावा दूसरे दलों की सरकार है, वे उस पर हमले करेंगे ही। मगर अभी तो यह यात्रा शुरू हुई है, इसे अन्य कई ऐसे राज्यों से होकर गुजरना है, जहां कांग्रेस की सरकार नहीं है। अगर उनका यही आ₹ ामक तेवर रहा, तो मुश्कलें और मिलेंगी।

अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद भारत की आर्थिक विकास दर जा सकती है 10 प्रतिशत के पार

किसी भी देश में आर्थिक विकास को अतुलनीय गति देने में केवल 10 वर्ष का समय बहुत कम माना जाता है। इतिहास गवाह है कि कई देशों को आर्थिक विकास की रफ्तार को गति देने में दशकों लग जाते हैं। चीन ने वर्ष 1980 का आसपास अपने देश में आर्थिक सुधार कार्य₹ म लागू किए थे परंतु इनका परिणाम दशकों बाद दिखाई दिया था, लगभग यही स्थिति अन्य देशों की भी रही है। परंतु, भारत ने पिछले केवल 10 वर्षों के दौरान अर्थ के कई क्षेत्रों में पूरे विश्व को राह दिखाई है।

भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जा गया है क्योंकि किसी भी देश के आर्थिक विकास को गति देने में आधारभूत ढांचे का विकसित अवस्था में होना अति आवश्यक माना जाता है। भारत में वर्ष 2013 में केवल 4,100 किलोमीटर रेल्वे लाइन का विद्युतीकरण किया जा सका था जो वर्ष 2023 में बढ़कर 28,100 किलोमीटर का हो गया है। राष्ट्रीय हाईवे भी वर्ष 2014 के 25,700 किलोमीटर से बढ़कर वर्ष 2023 में 53,700 किलोमीटर के हो गए हैं और भारत में वर्ष 2014 में केवल 74 एयरपोर्ट थे, जो वर्ष 2023 में बढ़कर 148 हो गए हैं। इस प्रकार के आधारभूत ढांचे को विकसित करने से भारत में रेल्वे ट्रैक, राष्ट्रीय हाईवे सहित सड़क मार्ग एवं एयरपोर्ट की उत्पादकता बढ़ी है एवं पेट्रोल, डीजल की खपत में कमी होकर देश में पर्यावरण की स्थिति को सुधारने में भी सहायता मिली है।

मुद्रा स्फीति की दर वर्ष 2013 में 10 प्रतिशत थी जो वर्ष 2022 में घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है। इससे आम नागरिकों को बड़ी राहत मिली है और उनके व्यय करने की क्षमता बढ़ी है। देश में डिजिटल क्षेत्र का तो जैसे कायाकल्प ही हो गया है। वर्ष 2016 में डिजिटल व्यवहार देश के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 4.4 प्रतिशत ही हो पा रहे थे जो वर्ष 2023 में बढ़कर 76.1 प्रतिशत से भी अधिक होने लगे हैं। इसी प्रकार, देश में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की संख्या वर्ष 2014 में 16 से बढ़कर वर्ष 2023 में 23 हो गई है, भारतीय मेडिकल संस्थानों (आईआईएम) की संख्या वर्ष 2014 के 13 से बढ़कर वर्ष 2023 में 20 हो गई है, मेडिकल कॉलेजों की संख्या वर्ष 2013 में 385 से बढ़कर वर्ष 2023 में 693 हो गई है और अखिल भारतीय मेडिकल साईंस संस्थानों (ऐमस-एआईआईएमएस) की संख्या वर्ष 2014 में 7 से बढ़कर वर्ष 2023 में 25 हो गई है। कुल मिलाकर पिछले 10 वर्षों के दौरान भारत में महत्वपूर्ण संस्थानों को भारी संख्या में विकसित किया गया है।

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार वर्ष 2014 में 28,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर था जो वर्ष 2023 में दुगने से भी अधिक होकर 60,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार कर गया है। विदेशी निवेशकों का विश्वास भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर लगातार बढ़ रहा है। वर्ष 2013 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय अर्थव्यवस्था में 2,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया था जो वर्ष 2023 में दुगने से भी अधिक होकर 4,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है।

अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के ऋण: सकल घरेलू उत्पाद अनुपात को लेकर चिंता जताते हुए कहा था कि आगे आने वाले समय में भारत के लिए यह अनुपात 100 के स्तर को पार कर सकता है, यदि ऐसा होता है तो यह भारत के आर्थिक विकास को विपरीत रूप से प्रभावित कर सकता है। परंतु, भारत में निगमों का औसत ऋण: सकल घरेलू उत्पाद अनुपात वर्ष 2015 के 65 प्रतिशत से कम होकर वर्ष 2023 में 50 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है और, उम्मीद की जा रही है कि वर्ष 2028 तक केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों का ऋण: सकल घरेलू उत्पाद अनुपात भी कम होकर 80 प्रतिशत के निचले स्तर पर नीचे आ जाएगा।

केंद्र सरकार पर लगातार यह आरोप लगता रहा है कि केंद्र सरकार के संस्थानों को बेचा जा रहा है। जबकि अब केंद्र सरकार के विभिन्न 25 संस्थानों ने पिछले एक वर्ष के दौरान अपने निवेशकों की पूंजी में 100 प्रतिशत से अधिक का संवर्धन किया है। विशेष रूप से आईआरएफसी ने 437 प्रतिशत, इरकोन ने 343 प्रतिशत, आरवीएनएल ने 321 प्रतिशत, कोचीन शिप्यार्ड ने 247 प्रतिशत, पीएफसी ने 250 प्रतिशत, रैलटेल ने 247 प्रतिशत, आईटीआई ने 245 प्रतिशत, हुड़को ने 245 प्रतिशत तक का संवर्धन निवेशकों के निवेश में पिछले एक वर्ष के दौरान किया है। आज न केवल विदेशी संस्थागत निवेशक और भारतीय संस्थागत निवेशक बल्कि खुदरा निवेशक भी केंद्र सरकार के विभिन्न उप₹ मों में निवेश करने पर अधिक भरोसा जता रहे हैं।

हैल्थ

Surprising causes of joint pain in winter; Top AIIMS rheumatologist explains

Dr Uma Kumar, Head, Rheumatology, AIIMS in an interview shed light on lesser-known factors behind joint pain in winter from weight gain to air pollution.

Winters can be tough for people who suffer from bone and joint issues. Cold wave can wreak havoc with our bone health and people with arthritis especially experience pain, stiffness, and swelling in their joints. While there is no proven direct connection between joint pain and winter, a range of lifestyle and environment factors could be at play that can cause joint discomfort. Some studies have however shown that cold temperature may cause muscles to tighten up and this can lead to less mobility and flexibility in joints. Studies also show joint pain could also be linked to changes in barometric pressure.

HOW EATING MORE CAN AFFECT JOINTS : Dr Kumar says the most important factor that one should keep in mind is to regulate diet during cold season as one may tend to eat more and gain weight and this could put pressure on joints.

"What happens during winter is that people tend to eat a lot because of availability of variety of foods. Having parathas, chikkis and all the high-calorie foods can end up adding to the weight. Even a kilo of weight gain can increase weight around knee joint by three times. That's one reason for increase in pain perception in people in winter," says the renowned AIIMS rheumatologist.

LESS VITAMIN D : Dr Uma Kumar says people get less Vitamin D during winter, an important nutrient for joint health.

"There is less sunshine in winter which increases the possibility of Vitamin D deficiency in cold weather. That can also cause joint pain," she says.

LESS ACTIVITY : While people eat more in winter, they move less, which could result in weight gain and painful joints.

"Then there is less activity during winters. People are not moving around, they are in blankets and quilts. So that results again in weight gain," says Dr Kumar.

GLOOMY WEATHER AND INCREASED PERCEPTION OF PAIN : Your mental state can also affect perception of pain and gloomy winter days could be the reason why people complain of increase in joint pain when the mercury goes down.

"During winter, since there is less sunshine in the day, it tends to make mood very gloomy, more depressed and negative. There are ample number of studies that endorse this. That is another ereaon why they feel more pain," says the AIIMS expert.

VIRAL INFECTIONS : Joint pain is also reported in winter due to viral illnesses that are common in the season.

"Viral infections are also common during winter. People tend to stay indoors and rarely venture outside in freezing temperature. Due to staying in close proximity with each other, the infection spreads faster," says the expert.

AIR POLLUTION: Dr Kumar says air pollution in winter is common and this can also lead to increase in aches and pains. Evidence suggests that air pollution can possibly lead to increased RA disease activity.

MANAGING JOINT PAIN IN WINTER : Stepping out in the sun, avoiding inflammatory foods and 150 minutes of moderate physical activity in a week can help support joint health and manage arthritis symptoms.

मनोरंजन जगत

'टॉप गन' के साथ 'फाइटर' की तुलना पर सिद्धार्थ आनंद ने तोड़ी चुप्पी, कहा- 'हम इतने क्रिएटिव नहीं हैं...'

नई दिल्ली। 'फाइटर' साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। इसका निर्देशन सिद्धार्थ आनंद ने किया है, जो 'पठान', 'वॉर' और '₹ श 4' जैसी एक्शन थ्रिलर फिल्में बना चुके हैं। 'फाइटर' देशभक्ति से भरी फिल्म है। अहम भूमिका में ऋतिक रोशन, दीपिका पादुकोण, अनिल कपूर और करण सिंह ग्रोवर निभा रहे हैं। सभी पायलट के किरदार में दिखाई देंगे।

फाइटर की टॉप गन से हुई थी तुलना

हाल ही में, 'फाइटर' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज हुआ था। फैंस ने फिल्म का ट्रेलर खूब पसंद किया। वीएफक्स से लेकर ऋतिक और दीपिका की केमिस्ट्री, देशभक्ति, इमोशन और एरियल एक्शन, सब कुछ शानदार था, जिसने फिल्म देखने की एक्साइटमेंट कई लेवल तक बढ़ा दी। मगर कुछ लोगों ने फिल्म की तुलना टॉम क्रूज की 'टॉप गन' से की।

'टॉप गन' से तुलना किए जाने पर सिद्धार्थ आनंद ने चुप्पी तोड़ी है। जूम के साथ बातचीत में सिद्धार्थ ने कहा- उनका मानना है कि हम इतने ₹ एटिव नहीं हैं कि हम ऐसी चीजें करेंगे। हमें अपनी फिल्मों को थोड़ा और सम्मान के साथ देखना शुरू करना होगा और लगातार यह नहीं मानना चाहिए कि चीजों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया जा रहा है। लोगों को लगता है कि यह बीती फिल्मों से इंस्पायर्ड है।

सिद्धार्थ आनंद ने दावा किया कि 'मिशन इम्पॉसिबल' का सीक्वल शाह रुख खान की 'पठान' से मिलता-जुलता है। सिद्धार्थ ने कहा- मैं यह नहीं कह रहा हूं कि उन्होंने हमारी नकल की है और ऐसा कोई तरीका नहीं है जिससे वे हमारी नकल करेंगे। रियल बनते हैं। केवल इतनी ही चीजें हैं जो आप एक्शन में कर सकते हैं और ओवरलैप होंगे। सिर्फ एक एक्स-फैक्टर है जो इसे अलग बनाता है।

शिव धनुष से राम सेतु तक... आलिया भट्ट की साड़ी पर बने थे 'रामायण' के ये खूबसूरत दृश्य, इतने घंटे में हुई तैयार

नई दिल्ली। 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम था, जहां बी-टाउन फेवरेट कपल आलिया भट्ट और रणबीर कपूर भी इस एतिहासिक पल के साक्षी बने। आलिया भट्ट और रणबीर कपूर ट्रेडिशनल अवतार में राम मंदिर सेरेमनी में शामिल हुये। आलिया भट्ट ने फिरोजा नीली रंग की साड़ी पहनी थी, जिसे उन्होंने मैचिंग कलर के शॉल से कम्प्लीट किया था। ब्रेड स्टाइल टाइट हेयर बन और मिनिमल मेकअप में वह बहुत खूबसूरत लग रही थीं। वहीं, रणबीर धोती-कुर्ता में जच रहे थे।

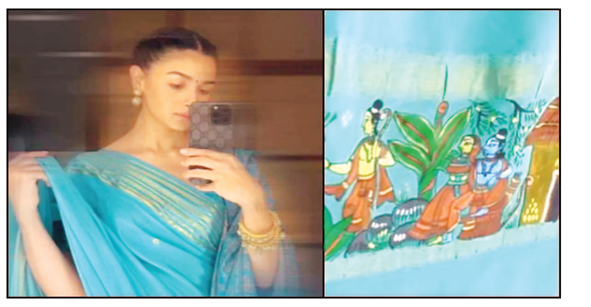

यूं तो आलिया और रणबीर ने ट्रेडिशनल अवतार में बहुत प्यारे लग रहे थे, लेकिन एक्ट्रेस की साड़ी ने सारी स्पॉटलाइट चुरा ली। 'गंगूबाई काठियावाड़ी' एक्ट्रेस की साड़ी कोई आम सी नहीं थी, इस पर 'रामायण' की कहानी को चित्रित किया गया था। सोशल मीडिया पर लोगों ने आलिया की इस साड़ी को खूब पसंद किया। अब स्टाइलिस्ट ने इसकी डिटेलिंग शेयर की है। आलिया भट्ट की स्टाइलिस्ट एमी पटेल ने इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस की तस्वीरें और वीडियोज शेयर करते हुए साड़ी की सारी डिटेल्स दी हैं। फोटोज में अभिनेत्री मिरर सेल्फी लेते हुए नजर आ रही हैं। एमी ने एक वीडियो भी दिखाया है, जिसमें 'रामायण' की पूरी कहानी की झलक देखी जा सकता है। भगवान राम और माता सीता की पूरी कहानी को साड़ी में पेंटिंग के जरिए चित्रित किया गया है। पोस्ट शेयर कर एमी ने कैप्शन में लिखा, "सिंपल लेकिन एतिहासिक। आलिया भट्ट की कस्टम मेड फिरोजा नीली मैसूर रेशम साड़ी में रामायण के महत्वपूर्ण दृश्यों को पल्लू पर जटिल रूप से हाथ से पेंट किया गया था। शिव धनुष को तोड़ना, राजा दशरथ का वचन, गुहा के साथ नाव में स्वर्ण मृग, अपहरण, राम सेतु, भगवान हनुमान द्वारा माता सीता को अंगूठी भेंट करना और राम पट्टाभिषेक।"

'तेरी मिट्टी' से 'ये जो देश है मेरा' तक, 75वें गणतंत्र दिवस को इन सुपरहिट गानों के साथ बनाए खास

नई दिल्ली। कुछ दिनों में देश गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। इस बार ये दिन बेहद खास है, क्योंकि 26 जनवरी को भारत अपना 75वां गणतंत्र दिवस मनाएगा। 1950 में इस दिन भारत को अपना संविधान मिला था। तब से हर साल इस दिन को सेलिब्रेट करने के लिए रिपब्लिक डे मनाया जाता है।

लाल किले पर परेड से लेकर स्कूलों में प्रोग्राम तक, देश के कोने- कोने में गणतंत्र दिवस की धूम देखने को मिलती है। 75 वें गणतंत्र दिवस पर अगर आप भी देश भक्ति के जज्बे को बांटना चाहते हैं और इस खास दिन को सेलिब्रेट करना चाहते हैं, तो इन हिंदी गानों को अपनी प्ले लिस्ट में जरूर शामिल करिए। सुनने में ये गाने जितने सुकून भरे हैं, देखने में उतने ही शानदार हैं।

बॉलीवुड के ये गाने अपनी खास पहचान रखते हैं। किसी को एआर रहमान जैसे लेजेंड्री सिंगर ने गाया और कंपोज किया, तो कुछ गानों को बी प्राक ने अपनी रोंगटे खड़े कर देने वाली आवाज दी है। रिलीज के बाद इन सॉन्ग्स ने कई रिकॉर्ड भी बनाए थे।

तेरी मिट्टी

अक्षय कुमार स्टारर केसरी फिल्म का गाना तेरी मिट्टी भारतीय सैनिकों के बलिदान की कहानी को कहता है। तेरी मिट्टी को बी प्राक ने गाया है। इस गाने की खासियत है कि ये सुनने वाले के दिमाग से दिल में उतर जाता है।

ऐ वतन

आलिया भट्ट और विक्की कौशल की फिल्म राजी का ऐ वतन भी रिपब्लिक डे के लिए एक परफेक्ट सॉन्ग है। इस गाने को सुनिधि चौहान ने गाया है।

चक दे इंडिया

शाह रुख खान की फिल्म चक दे इंडिया का टाइटल ट्रैक देश भक्ति के गानों में हमेशा अपनी जगह बनाता है। सुखविंदर सिंह की आवाज में ये गाना एनर्जी से भर देने वाला है।

ये जो देश है मेरा

स्वदेश फिल्म शाह रुख खान के करियर में बेहतरीन फिल्मों में गिनी जाती है। ये पूरी फिल्म ही देश भक्ति को दर्शाती है। वहीं, स्वदेश का गाना ये जो देश है मेरा इसे और मजबूत बनाता है। सॉन्ग की सिनेमेटोग्राफी शानदार है। इस गाने को एआर रहमान ने गाया है।

रंग दे बसंती

आमिर खान की फिल्म रंग दे बसंती का टाइटल सॉन्ग फुल ऑन एनर्जेटिक सॉन्ग है। देश भक्ति को ये गाना गर्व के साथ महसूस कराता है। रंग दे बसंती को दलेर मेहंदी और चित्रा ने अपनी आवाज दी है। वहीं, एआर रहमान ने कंपोज किया है।

छत्तीसगढ़ का रामनामी समुदाय जहां लोगों के मन ही नहीं तन पर भी बसते हैं राम

देश में आज फेस्टिवल जैसा माहौल है। हर जगह राम नाम छाया हुआ है। भक्तों में एक अलग ही उत्साह और आनंद देखने को मिल रहा है। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में कई बड़ी हस्तियां शामिल हुई हैं, वहीं देश का एक छोटा सा ऐसा हिस्सा भी है, जिसे न तो राम मंदिर से कोई खास मतलब है न ही मूर्ति से, क्योंकि यहां रामभक्ति के लिए कोई एक दिन या समय तय नहीं, बल्कि यहां के लोगों ने तो अपना पूरा जीवन ही भगवान राम को समर्पित कर दिया है।

कब हुई थी इस समुदाय की स्थापना? : इस समुदाय की स्थापना सन् 1870 में जांजगीर चाम्पा जिले के चारपारा गांव के सतनामी समाज के परशुराम जी ने किया था। उन्होंने ही पहली बार राम नाम का गोदना करवाया था।

ऐसे दिखते हैं रामनामी समुदाय के लोग : इनके शरीर के लगभग हर हिस्से पर राम का नाम अंकित है। तन पर रामनामी चादर लिए होते हैं, सिर पर मोरपंख की पगड़ी और घुंघरू इन लोगों की खास पहचान होती है।

रामनामी समुदाय के घर : रामनामी समुदाय के लोगों के घर बहुत ही साधारण होते हैं। जो उनकी साधारण जीवनशैली को बयां करते हैं। मिट्टी या बांस से बने इस घरों की वास्तुकला खास होती है।

मरने के बाद नहीं जलाते लाशें : रामनामी समुदाय के लोग मृत्यु के बाद लाशों को जलाते नहीं, बल्कि पंचतत्व में विलीन करते हैं। उनका मानना है कि वो राम नाम को सामने से जलते हुए नहीं देख सकते।

रामनामी समुदाय

छत्तीसगढ़ में एक ऐसा समुदाय है, जिसे रामनामी नाम से जाना जाता है। परशुराम द्वारा स्थापित यह एक हिंदू संप्रदाय है, जो भगवान राम की पूजा करता है। यहां के लोग पूरी तरह से राम भक्ति में रमे हुए हैं। इसका अंदाजा आप उन्हें देखकर ही लगा सकते हैं। राम की भक्ति इनके अंदर ऐसी बसी हुई है कि इन्होंने पूरे शरीर पर 'राम नाम' का टैटू बनवाया हुआ है, जो भगवान राम से गहरे संबंध की अभिव्यक्ति है। इस समुदाय के लिए राम उनकी संस्कृति का एक अभिन्न अंग है। भगवान राम की भक्ति और उनका गुणगान ही इनकी जिंदगी का खास मकसद है।

रामनामी समुदाय के लोगों का कौशल

इस समुदाय के लोग प्राकृतिक स्याही बनाने का काम करते हैं। इस स्याही का इस्तेमाल राम नाम के जाप और पूजा-पाठ के लिए किया जाता है। इस स्याही को पारंपरिक तरीकों से तैयार किया जाता है। जिसमें लाल रंग के फूलों के पानियों का उपयोग किया जाता है। स्याही को गाढ़ा रंग देने में काफी वक्त और मेहनत लगती है।

अगर आप भी करना चाहते हैं रामलला के दर्शन

जिस तारीख का इंतजार लाखों भारतवासियों को था वह आज आ गई है। अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा हो गई है। भगवान राम का स्वागत करने के लिए पूरी अयोध्या को दुल्हन की तरह सजाया गया है। अगर आप भी उनके दर्शन करना चाहते हैं तो जानें कब से आप राम मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं और कैसे आरती में सम्मिलित हो सकते हैं।

अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए लोगों का उत्साह और खुशी की कोई सीमा नहीं है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत और कई वीवीआईपी प्राण प्रतिष्ठा समारोह में नजर आए।

रामलला की मूर्ति कई दिनों से इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही है, जिसके बाद लोग इनके दर्शन करने के लिए लालायित हैं, लेकिन हम आपको बताना चाहते हैं कि अब आपकी प्रतिक्षा का अंत हुआ।

जी हां, अब आम जनता भी रामलला के दर्शन करने के लिए अयोध्या मंदिर में जा सकती है। आइए जानते हैं, कब से आप मंदिर में दर्शन के लिए जा सकते हैं और दर्शन करने के लिए आपको क्या प्रŸि या फॉलो करनी पड़ेगी।

रामलला के स्वागत के लिए लाखों लोग उत्साहित थे, जिसके बाद यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि दर्शन के लिए भक्तों का तांता लगने वाला है। राम जन्मभूमि पर स्थित होने की वजह से, राम भक्तों के लिए इस मंदिर का महत्व और अधिक बढ़ जाता है। मंदिर में मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के बाल स्वरूप की मूर्ति को गर्भ गृह में स्थापित किया गया है।

रामलला के दर्शन के साथ-साथ आप उनकी सुबह और संध्या की आरती में भी सम्मिलित हो सकते हैं। हालांकि, इसके लिए आपको पास बुक करने होंगे। आरती के लिए मिल रहे पास फ्री हैं, लेकिन इसके लिए आपको पहले बुकिंग करवा के पास लेने होंगे। पास दो तरीकों से बुक किया जा सकता है, ऑनलाइन और ऑफलाइन।

ऑनलाइन पास बुकिंग राम मंदिर की वेबसाइट पर होगी और ऑफलाइन बुकिंग के लिए श्री राम जन्मभूमि के कैम्प ऑफिस जा कर ले सकते हैं। इसके लिए आपको वैलिड गवर्नमेंट पहचान पत्र दिखाना होगा, तभी आपको पास मिलेंगे।

सुबह की श्रृंगार आरती के लिए आपको एक रात पहले बुकिंग करनी पड़ेगी और संध्या आरती के लिए आधा घंटा पहले जाना पड़ेगा। बिना पास के आपको मंदिर में प्रवेश नहीं लेने दिया जाएगा। इसलिए अगर आप रामलला के दर्शन करना चाहते हैं, तो पास बुक करवाएं और अपनी गवरमेंट आईडी साथ लेकर जाएं।

आपको बता दें कि मंदिर के उद्घाटन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर कई अन्य वीवीआईपीज को आमंत्रित थे। प्रधानमंत्री ने रामलला की 51 इंच ऊंची मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की।

इस मूर्ति पर भगवान विष्णु के दस अवतारों और सनातन धर्म के महत्वपूर्ण चिन्हों को भी दर्शाया गया है। सुंदर वस्त्र और आभूषणों में रामलला की छवि देखते ही बनती

कब से कर सकते हैं रामलला के दर्शन?

आज यानी 22 जनवरी को अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन और प्राण प्रतिष्ठा के बाद 23 जनवरी से मंदिर के दरवाजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। इसके बाद भक्तजन मंदिर में प्रवेश कर रामलला के साक्षात दर्शन कर पाएंगे और उनकी आरती में सम्मिलित हो पाएंगे।

क्या है आरती का समय?

अयोध्या राम मंदिर की ऑफिशियल वेबसाइट श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अनुसार, मंदिर में दर्शन के लिए भक्तजन सुबह 7 बजे से लेकर सुबह 11ङ30 बजे तक आ सकते हैं। इसके बाद संध्या दर्शन के लिए दोपह 2 बजे से लेकर शाम 7 बजे के बीच आ सकते हैं।

सस्ते में करनी है विदेश यात्रा, तो आईआरसीटीसी लेकर आया है आपके लिए सुनहरा मौका

अगर आप नेपाल की खूबसूरत वादियों को करीब से देखना चाहते हैं तो आईआरसीटीसी लेकर आया है आपके लिए शानदार मौका। जिसमें आप फरवरी में बहुत ही कम बजट में कर सकेंगे यहां के खूबसूरत नजारों का दीदार। जान लें इस यात्रा के लिए कितने पैसे खर्च करने होंगे साथ ही कैसे करा सकते हैं बुकिंग।

अगर आप इस साल कहीं विदेश यात्रा की सोच रहे हैं, तो आईआरसीटीसी लेकर आया है आपके लिए सुनहरा मौका। हाल ही में IRCTC ने अपने सोशल मीडिया पर नेपाल टूर पैकेज से जुड़ा एक पोस्ट शेयर किया है। जिसमें आप फरवरी में यहां जाने का प्लान बना सकते हैं। फरवरी से मौसम थोड़ा सुहावना होने लगता है। ऐसे में ये महीना घूमने के लिए परफेक्ट होता है। आइए जानते हैं कितने दिनों का है ये टूर पैकेज और इसके लिए कितने पैसे करने होंगे खर्च।

पैकेज का नाम- Best of Nepal E& Delhi

पैकेज की अवधि- 5 रात और 6 दिन

ट्रैवल मोड- फ्लाइट

डेस्टिनेशन कवर्ड- काठमांडू, पोखरा

कब कर सकेंगे यात्रा- 16 फरवरी 2024 और 28 फरवरी 2024

मिलेगी यह सुविधा

1. आने-जाने के लिए इकोनॉमी क्लास की टिकट मिलेगी।
2. रुकने के लिए होटल की सुविधा मिलेगी।
3. इस पैकेज में ब्रेकफास्ट और डिनर की सुविधा मिलेगी।
4. आपको ट्रैवल इंश्योरेंस की भी सुविधा मिलेगी।
5. ट्रिप पर आपके साथ टूर गाइड भी मौजूद रहेगा।

यात्रा में लगेगा इतना शुल्क

1. अगर आप इस ट्रिप पर अकेले यात्रा करते हैं तो आपको 45,700 रुपए चुकाने होंगे।
2. वहीं दो लोगों को 37,00 रुपए प्रति व्यक्ति शुल्क देना होगा।
3. तीन लोगों को प्रति व्यक्ति 36,500 रुपए का शुल्क देना होगा।
4. बच्चों के लिए आपको अलग से शुल्क का भुगतान करना होगा। बेड के साथ (5-11 साल) 26,500 और बिना बेड के 23,500 रुपए देने होंगे।

IRCTC ने ट्वीट करके दी जानकारी-

आईआरसीटीसी ने अपने इस टूर पैकेज के बारे में जानकारी देते हुए एक ट्वीट शेयर किया है। जिसमें बताया है कि अगर आप नेपाल के मनमोहक दृश्यों का दीदार करना चाहते हैं, तो आईआरसीटीसी के इस शानदार टूर पैकेज का लाभ उठा सकते हैं।

ऐसे करा सकते हैं बुकिंग

आप इस टूर पैकेज के लिए बुकिंग आईआरसीटीसी की ऑफिशियल वेबसाइट के जरिए कर सकते हैं। इसके अलावा आईआरसीटीसी पर्यटक सुविधा केंद्र, अंचल कार्यालयों और क्षेत्रीय कार्यालयों के जरिए भी बुकिंग की जा सकती है। पैकेज से जुड़ी ज?यादा जानकारी के लिए आप आईआरसीटीसी ऑफिशियल वेबसाइट पर विजिट कर सकते हैं।

गलत एक्सटेंशन कहीं चुरा न ले आपकी पर्सनल और बैंकिंग डिटेल्स, इन पांच बातों का रखें खास ख्याल

भारतवासियों के लिए आज का दिन बहुत खास है क्योंकि आज यानी 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यŸ म आयोजन किया गया। जिसे लेकर लोगों में एक अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। ऐसा ही खुशी का माहौल छत्तीसगढ़ में रामनामी समुदाय में भी है जहां कण-कण में बसते हैं राम।

इंटरनेट का इस्तेमाल करने के साथ वेब सर्च के लिए एक्सटेंशन कई बार मददगार साबित होते हैं। एक्सटेंशन का इस्तेमाल वेब ब्राउजिंग को आसान बना देता है।

हालांकि, एक्सटेंशन के साथ सिक्योरिटी को लेकर भी ध्यान रखा जाना जरूरी है। एक गलत एक्सटेंशन का इस्तेमाल आपके डिवाइस पर सेव्ड डेटा और आपकी पर्सनल, बैंकिंग जानकारियों को लीक कर सकता है।

एक्सटेंशन का इस्तेमाल करने से पहले कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखा जाए तो डेटा लीक होने की परेशानी से कुछ हद तक छुटकारा पाया जा सकता है।

ऐसे चुनें सेफ एक्सटेंशन

Chrome Web Store का ही करें इस्तेमाल : लैपटॉप में ₹ोम एक्सटेंशन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो ₹ोम वेब स्टोर का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। एक्सटेंशन के लिए यह एक सेफ स्टोर है। क्रोम वेब स्टोर में यूजर्स के लिए 125,000 एक्सटेंशन और वेब ऐप्स की सुविधा मौजूद है।

एक्सटेंशन के अपडेट का रखें ख्याल

किसी भी एक्टेंशन को डाउनलोड कर लंबे समय से इसका इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक्सटेंशन के अपडेट का भी ख्याल रखें। ऐसा एक्सटेंशन का इस्तेमाल करने से बचें जिसे लंबे समय से अपडेट न किया गया हो।

एंटीवायरस स्कैन के बाद ही करें इस्तेमाल

लैपटॉप पर एक्सटेंशन का इस्तेमाल कर रहे हैं तो सिक्योरिटी के लिए एंटीवायरस होना जरूरी है। किसी भी एक्सटेंशन का इस्तेमाल करने से पहले एंटीवायरस स्कैन की सलाह दी जाती है। यह रोजाना इस्तेमाल के साथ जरूरी है।

गूगल के सेफ ब्राउजिंग फीचर को रखें ऑन

लैपटॉप में किसी भी एक्सटेंशन का इस्तेमाल करने के साथ गूगल के सेफ ब्राउजिंग फीचर को ऑन रखा जाना जरूरी है।

सेफ ब्राउजिंग के लिए गूगल क्रोम की सेटिंग्स में सिक्योरिटी ऑप्शन के साथ सेफ ब्राउजिंग फीचर को ऑन कर सकते हैं।

एक्सटेंशन डाउनलोड करने से पहले पढ़ें रीव्यू

क्रोम वेब स्टोर से किसी नए एक्सटेंशन को डाउनलोड कर रहे हैं तो रिव्यू को पढ़ सकते हैं। कई बार किसी एक्सटेंशन को लेकर दिया गया रिव्यू एक्सटेंशन की खामियों को सामने ला देता है।

बिना इंटरनेट के भी इस्तेमाल कर सकते हैं गूगल जीमेल, इस ट्रिक से आसान होगा आपका काम

गूगल की ईमेल सर्विस जीमेल का इस्तेमाल करते हैं तो ये जानकारी आपके लिए काम की साबित होने वाली है। क्या आपके साथ भी ऐसा होता है जब आपको किसी जरूरी मेल को चेक करने की जरूरत होती है लेकिन ठीक उसी वक्त इंटरनेट कनेक्शन चला जाता है। अगर हां तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं होगी।

गूगल की ईमेल सर्विस जीमेल का इस्तेमाल करते हैं तो ये जानकारी आपके लिए काम की साबित होने वाली है।

क्या आपके साथ भी ऐसा होता है जब आपको किसी जरूरी मेल को चेक करने की जरूरत होती है, लेकिन ठीक उसी वक्त इंटरनेट कनेक्शन चला जाता है। अगर हां तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं होगी।

बहुत कम इंटरनेट यूजर्स को जानकारी होगी कि गूगल जीमेल का इस्तेमाल ऑफलाइन भी किया जा सकता है।

जी हां, गूगल अपने यूजर्स को इंटरनेट न होने पर भी जीमेल इस्तेमाल करने की सुविधा देता है। इस आर्टिकल में ऑफलाइन जीमेल को इस्तेमाल करने का ही तरीका बता रहे हैं-

पहले Offline Mail को इनेबल करना होगा-

सबसे पहले ₹ोम ब्राउजर पर गूगल जीमेल को ओपन करना होगा।

अब टॉप राइट कॉर्नर पर Settings पर क्लिक करना होगा।

See all settings पर क्लिक करना होगा।

अब Offline tab पर क्लिक करना होगा।

Enable offline mail bo& को चेक करना होगा।

मेल ऑफलाइन एक्सेस के लिए समय चुनना होगा।

Security ऑप्शन के साथ ऑफलाइन डेटा कंप्यूटर पर सेव रखने या रिमूव करने को चुन सकते हैं।

Save Changes पर क्लिक करना होगा।

Gmail Offline को ऐसे करें एक्सेस

ऑफलाइन होने पर ₹ोम ब्राउजर पर mail.google.com पर आना होगा।

यहां offline mode में होने का कन्फर्मेशन मैसेज मिलता है।

यहां मेल पर इन्बॉक्स चेक करने, पुराने मेल्स पढ़ने और नए मेल कम्पोज कर सकते हैं।

हालांकि यहां बताना जरूरी है कि जैसे ही आप मेल कम्पोज कर सेंड करते हैं ये ड्राफ्ट फोल्डर में चले जाते हैं। इंटरनेट कनेक्शन ऑन होने पर यह मेल अपने आप सेंड हो जाता है।

Gmail Offline इस्तेमाल करने को लेकर खास बातें

नेट कनेक्शन न होने पर केवल उन्हीं मेल को चेक कर सकते हैं जिन्हें ऑफलाइन एक्सेस के लिए सिंक किया गया हो।

ऑफलाइन जीमेल में अटैचमेंट को डाउनलोड नहीं किया जा सकता है। न ही इन फाइल्स को ओपन किया जा सकता है।

वाट्सऐप पर अनरीड मैसेज का लगाना है पता तो कर लें ये काम, आसानी से फिल्टर हो जाएंगी चेट

वाट्सऐप के भारत के साथ-साथ दुनिया भर में लाखों यूजर्स मिलते हैं, जो अपनी जरूरत के हिसाब से वॉट्सऐप का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि वाट्सऐप भी अपने कस्टमर्स को बेहतर एक्सपीरियंस देने के लिए समय-समय पर इसे अपडेट करता रहता है और कई खास फीचर्स भी लाता रहता है।इन्हीं में से एक फीचर अनरीड फिल्टर है , जो आपको अनरीड मैसेज को अलग रखने में मदद करता है। आज हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने अनरीड मैसेज को फिल्टर कर सकते हैं। आइये इसके बारे में जानते हैं।

अक्सर ऐसा होता है कि अपने बिजी शेड्यूल के चलते हम अपने वॉट्सऐप मैसेज को पढ़ नहीं पाते हैं, ऐसे में आप इस मैसेज का रिप्लाई करना भी भूल जाते हैं।

ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आप इन मैसेजेस को आसानी से खोज सकें तो अनरीड फिल्टर आपके काम आ सकता है।

आपको बताते चलें कि वॉट्सऐप में एक ऐसा फीचर है, जो आपको को अपनी अनरीड चैट को आसानी से पहचानने और नेविगेट करने में मदद करती है।

वॉट्सऐप का चैटलिस्ट अनरीड फिल्टर फीचर आपको अनरीड मैसेज को मैनेज करने और रिएक्शन देने में मदद कर सकती है। आइये इसके बारे में जानते हैं।

iPhone यूजर्स के लिए, चैटलिस्ट अनरीड फिल्टर को एक्सेस करना बहुत आसान है।

इसके लिए आप चैटलिस्ट में नीचे स्क्रॉल करें और फिर फिल्टर आइकन पर टैप करें।

इसके बाद आइकन को दोबारा टैप करने से फिल्टर ऑन और ऑफ हो जाएगा, जिसके बाद आप आसानी से इन मैसेज को एक्सेस कर सकेंगे।

बिग रैम और रोम वाला बजट फोन भारत में धमाकेदार एंट्री को तैयार, ऐसे होंगे स्पेसिफिकेशन

टेक्नो अपने ग्राहकों के लिए एक नया स्मार्टफोन लॉन्च करने जा रहा है। टेक्नो भारतीय ग्राहकों के लिए Tecno Spark 20 लॉन्च करने जा रहा है। मालूम हो कि कंपनी का यह फोन बीते साल के आखिरी महीने दिसंबर में ही ऑफिशियल वेबसाइट पर लिस्ट हो गया था। वेबसाइट पर लिस्ट होने के साथ ही इस फोन की खूबियां भी सामने आ चुकी हैं।

10 हजार रुपये से कम में हो सकता है लॉन्च

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो Tecno Spark 20 को कंपनी भारत में 10 हजार से कम में लॉन्च कर सकती है। इसके साथ ही यह फोन 256GB इंटरनल स्टोरेज वाला डिवाइस होगा।

Tecno Spark 20 की खूबियां

टेक्नो की ऑफिशियल वेबसाइट पर लिस्ट किए गए इस फोन को लेकर स्पेसिफिकेशन की जानकारी पहले से ही जारी हो चुकी हैं।

प्रोसेसर : Tecno Spark 20 में कंपनी MediaTek Helio G85 गेमिंग प्रोसेसर पेश करती है।

डिस्प्ले : Tecno Spark 20 में 6.56 इंच का एलसीडी पैनल है जो 720x1612 पिक्सल का एचडी+ रिजोल्यूशन और 90 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट के साथ आता है।

रैम और स्टोरेज : टेक्नो का यह फोन 8GB+8GB रैम और 256GB स्टोरेज के साथ आता है।

कैमरा : Tecno Spark 20 को कंपनी 50MP अल्ट्रा क्लियर कैमरा और 32MP फ्रंट कैमरा के साथ पेश करती है।

बैटरी : टेक्नो के इस फोन में 5,000द्धद्ध की बैटरी मिलती है। इसके अलावा फोन 18W फास्ट चार्जिंग फीचर के साथ आता है।

एंड्रॉइड सिस्टम : टेक्नो का यह फोन एंड्रॉइड 13 पर चलता है, जो HiOS 13 द्ध पर बेस्ड है।

डॉ. मंसूर अली को मिलेगा हकीम अजमल खां अवार्ड

अजमेर। यूऑल इंडिया यूनानी तिब्बी कांग्रेस की ओर से विश्व यूनानी चिकित्सा विज्ञान दिवस के अवसर पर चिकित्सकों को सम्मानित किया जाएगा। यूनानी चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर शहर के डॉ. मंसूर अली को हकीम अजमल खान अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रोफेसर मुश्ताक अहमद ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रत्येक राज्य से एक-एक यूनानी चिकित्सा का हकीम अजमल खान अवार्ड के लिए चयन हुआ है। इसके साथ ही प्रोफेसर मोहम्मद अख्तर सिद्दीकी को डॉ. एयू आजमी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड दिया जायेगा।

14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस : विभिन्न कार्यक्रमों का होगा आयोजन

अजमेर। 14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस 25 जनवरी को जिले में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री लोकेश कुमार गौतम ने बताया कि 14वां राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विभिन्न स्तरों पर आयोग की थीम नथिंग लाईक वोटिंग, आई वोट फॉर स्योर (मतदान जैसा कुछ नही, मतदान जरूर करेंगे हम) को केन्द्र में रखकर समारोहपूर्वक मनाया जाएगा। बुधवार 24 जनवरी को सूचना केन्द्र पर फोटो प्रदर्शनी (आम नागरिकों एवं विद्यार्थियों के अवलोकन के लिए) का आयोजन किया जाएगा। इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली कलेक्ट्रेट से सूचना केन्द्र तक निकाली जाएगी।

उन्होंने बताया कि इसी ₹ म में गुरूवार 25 जनवरी को 14वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य पर जिला स्तरीय कार्य₹ म सम्राट पृथ्वीराज चैहान राजकीय महाविद्यालय में दोपहर 12 बजे से किया जाएगा। इसमें निर्वाचन विभाग के द्वारा जारी थीम पर आधारित ब्लॉक स्तरीय निबन्ध लेखन, कविता लेखन एवं स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में ब्लॉक स्तर (अजमेर शहर) पर प्रथम, द्वितीय विजेता विद्यार्थियों (विद्यालय एवं कॉलेज शिक्षा), निर्वाचन गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ तथा कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। इसी प्रकार विधानसभा क्षेत्रों के मुख्यालय तथा समस्त मतदान केन्द्रों पर भी मतदाता दिवस पर कार्य₹ म आयोजित किए जाएंगे। इसमें ब्लॉक स्तर पर आयोजित गतिविधियों एवं बीएलओ तथा कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। उपस्थित आमजन को मतदान की शपथ दिलवाई जाएगी। साथ ही 25 जनवरी को प्रातः 11 बजे समस्त कार्यालयों में शपथ का आयोजन होगा। कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यरत अधिकारी एवं कार्मिक जिला निर्वाचन अधिकारी के कक्ष के सामने स्थित पार्क में शपथ लेंगे।

खुद 'बैसाखियों' पर नगर निगम का अग्निशमन विभाग

अजमेर. पंचशील नगर स्थित सतगुरु एसोसिएट एंड डवलपर्स की चार मंडिला इमारत में मंगलवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने नगर निगम की नाकामी को भी चौड़े ला दिया। आग लगने के बाद आग पर काबू पाने वाले नगर निगम के अग्निशमन विभाग की कमियां भी सामने आईं। देशी जुगाड़ कर बांस से बनी सीढ़ियों से आग में फंसे लोगों तक पहुंच कर उन्हें निकाला जा सका। पंचशील नगर स्थित सतगुरु एसोसिएट एंड डवलपर्स की चार मंडिला इमारत में मंगलवार दोपहर शॉर्ट सर्किट से लगी आग ने नगर निगम की नाकामी को भी चौड़े ला दिया। आग लगने के बाद आग पर काबू पाने वाले नगर निगम के अग्निशमन विभाग की कमियां भी सामने आईं। देशी जुगाड़ कर बांस से बनी सीढ़ियों से आग में फंसे लोगों तक पहुंच कर उन्हें निकाला जा सका। गनीमत रही कि बड़ा हादसा नहीं हुआ अन्यथा हालात भयावह होते। विभाग के पास मौजूदा सीढ़ियां 30 फीट लंबी हैं जबकि हाईड्रोलिक सीढियां 50 फीट तक की ऊंचाई तक पहुंचती हैं।

ख्वाजा गरीब नवाज़ का 812वा उर्स पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न

अजमेर। देश-दुनिया में अमन और शांति का पैगाम देने वाली प्रसिद्ध सूफी संत हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह और यहाँ आयोजित होने वाला सालाना उर्स 12 जनवरी से शुरू हुआ। जन्नती दरवाज़ा खुला और देश विदेश से आये जायरीनों जियारत की। देश की प्रधानमंत्री मोदी ने चादर भिजवाई और दरगाह के बुलंद दरवाजे पर पीएम मोदी दिए गए संदेश को भी पढ़कर जायरीनों को सुनाया। वहीं दूसरी ओर दरगाह में उर्स के मौके पर देश के अलग-अलग कोनों से आए शाही कव्वाल अपनी कव्वालियों से अकीदतमंदों का दिल जीता।

6 रजब को छोटे कुल की रस्म हुई और छटी की फातिहा हुई 7 छोटे कुल की रस्म में लाखो जायरीनों ने शिरकत की। उर्स पर आए लाखों जायरीन ने ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह परिसर में स्थित शाहजानी मस्जिद में जुम्मे की नमाज अदा की। नमाज के लिए जायरीन की कतारें दरगाह से बाहर निकलकर धानमंडी, देहली गेट से होते हुए गंज तक आ गई। खुदा के आगे नमाज में लाखों जायरीन के सिर झुके। नमाज के बाद तमाम जायरीन ने देश में अमन, चैन, भाईचारा और खुशहाली की दुआ मांगी। ख्वाजा गरीब नवाज़ का उर्स पूरी तरह से शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

हुकूमत ए पाकिस्तान की चादर पेश, मजबूत रिश्तो के लिए की दुआ

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 812वे उर्स के मौके पर पाकिस्तान की हुकूमत की ओर से चादर पेश की गई। दोनों मुल्कों के बीच मजबूत रिश्तों, अमन और शांति की मन्नत मांगी गई। पुरानी मंडी स्थित राजकीय सेंटर गर्ल्स माध्यमिक विद्यालय से सुबह करीब 11:30 पाकिस्तान के जरीन चादर पेश करने के लिए रवाना हुए। अलग-अलग समूह में पाकिस्तान के चादर पेश करने पहुंचे। इसके पूर्व दरगाह कमेटी ने सभी पाकिस्तान के जायरीनों का इस्तकबाल किया।महफिल खाने में आयोजित इस कार्य₹ म में सभी जायरीनों ने शिरकत की

हज़ारो जायरीनों ने अदा की जुम्मे की नमाज

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 812 वे उर्स में शिरकत करने पहुंचे जायरीनों ने शु₹ वार को जुम्मे की नमाज अदा की। शहर काजी मौलाना तौसीफ अहमद सिद्दीकी ने दो रकअत नमाज़ अदा करा कर मुल्क व सूबे में भाईचारा की मजबूती के लिए दुआ की। नमाज के बाद बड़ी तादाद में जायरीन दरगाह जियारत करने पहुंचे। दरगाह क्षेत्र में सभी दुकानदारों ने नमाजियों को नमाज़ पढ़ने के लिए अख़बार और चादर मुहैया करवा कर भाईचारे की मिसाल पेश की।

छोटे कुल की रस्म में पहुंचे लाखों जायरीन, जन्नती दरवाज़ा बंद

ख्वाजा गरीब नवाज का उर्स 12 जनवरी से शुरू हुआ था। आखिरी रस्म छोटे कुल के रूप में अदा की गई। इसके साथ ही छठी की फातिहा भी हुई। सभी जायरीन अपनी मुरादे दरबार में पेश करते हुए नजर आए और सभी ने मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए दुआ की। खुद्दाम-ए-ख्वाजा ने छठी की रस्म अदा कराई। तोप के गोलों की सलामी और शादियानो के बीच कुल की रस्म अदा की गयी। कुल की रस्म में लगभग डेढ़ लाख जायरीनों ने शिरकत की। इस रस्म के साथ ही जन्नती दरवाज़ा बंद हो गया।

जिला प्रशासन ने अजमेर दरगाह पर चढ़ाई शुकराना की चादर

अजमेर जिला प्रशासन ने 812वें उर्स के शांतिपूर्ण संपन्न होने पर दरगाह पर शुकराना की चादर पेश की। चादर सम्भागीय आयुक्त महेश चंद्र शर्मा, पुलिस महानिरीक्षक लता मनोज कुमार, जिला कलक्टर डॉ. भारती दीक्षित और पुलिस अधीक्षक चूनाराम जाट की ओर से पेश की गई। इस दौरान उर्स मेला शांतिपूर्ण संपन्न होने पर अमन और शांति की दुआ मांगी गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित, राज्यपाल, मुख्यमंत्रियों और बड़े नेताओ की चादरे पेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से विश्व विख्यात गरीब नवाज हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में चादर पेश की गई। पीएम मोदी ने पीले रंग की चमकदार चादर भिजवाई है। इस चादर के साथ प्रधानमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल के साथ अपना संदेश भी भिजवाया। दरगाह में चादर पेश करने के बाद खादिम सलमान चिश्ती ने पीएम मोदी की ओर से भेजा गया संदेश पढ़कर सुनाया। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी ने भी चादरे भिजवाई। दिल्ली के उपराज्यपाल सक्सेना, सीएम केजरीवाल, राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल, पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत, राजे , महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री फडणवीस, केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी आदि नेताओ ने भी गरीब नवाज हजरत ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह में चादर पेश की।

देश में एक नए युग की शुरूआत-देवनानी

विधानसभा अध्यक्ष ने की श्री राम मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के विभिन्न कार्यक्रमों में शिरकत

अजमेर। विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि अयोध्या में श्री रामलला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही एक नए युग की शुरूआत हो गई है। हमारा सैकड़ो साल का संघर्ष सफल हुआ और श्री रामलला मन्दिर में विराजित हुए। यह दिन हमारे लिए दूसरी दीपावली जैसा है। प्रत्येक युवा को राम के जीवन से सीख लेकर प्रत्येक क्षेत्रा में आत्मसात करना चाहिए।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी ने सोमवार को शहर में विभिन्न स्थानों पर श्रीराम लला मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्य₹ मों में शिरकत की। उन्होंने ऋषि घाटी सम्पर्क सड़क स्थित श्री घाटी वाले बालाजी मन्दिर पर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्य₹ म के लाइव प्रसारण को देखा। शाम को देवनानी श्रीराम नाम महामंत्रा परि₹ मा कार्य₹ म में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित कार्य₹ मों को सम्बोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि श्री रामलला की मूर्ति के गर्भ गृह में प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही देश में एक नए युग की शुरूआत हो गई है। हमारा सैकड़ों सालों का संघर्ष सफल हुआ है। प्रत्येक सनातन धर्मावलम्बी के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। हम अपने राम के दर्शन मन्दिर में जाकर कर सकेंगे।

उन्होंने कहा कि राम शब्द की महिमा असीमित है। प्रत्येक युवा को अपने जीवन में राम के आदर्शों को अपनाना चाहिए। राम ने एक पुत्रा के रूप में जो आदर्श स्थापित किए, वह प्रत्येक पुत्रा के मिसाल है। यह एक सशक्त परिवार की नीवं के रूप में देखे जा सकते हैं। इसी तरह एक युवा के रूप में, एक पति के रूप में, एक नेतृत्वकर्ता के रूप में, एक योद्धा के रूप में, एक भाई के रूप में राम हर भूमिका से समाज को सीख देते हैं। वे समाज को परिवार, समाज शासन, प्रेम, त्याग, और संघर्ष के आयाम सिखाते हैं। एक युवा जो सब कुछ होते हुए भी एक वचन की पालना में वनवासी हो गया, एक युवा जो अपनी प%ी के लिए रावण से भिड़ गया, एक योद्धा जो नेतृत्व करने निकला तो सभी को साथ जोड़ लिया। राम हमें जीवन के उच्चतम मूल्यों का निर्वहन करना सिखाते हैं। रामराज में किस तरह सुशासन की नई परिभाषाएं गढ़ी गई, राम ने सिखाया।

देवनानी ने कहा कि आज समाज, खास कर युवाओं को राम के आदर्शों को जीवन में अंगीकार करना चाहिए। आज भारत पूरे विश्व में पुनः विश्वगुरू के रूप में उभर रहा है। राम के आदर्शों के सहारे हम पूरे विश्व को एक नई दिशा दे सकते हैं। देवनानी ने सभी को रामलला की गर्भगृह में प्राण प्रतिष्ठा की बधाई दी।

विधानसभा अध्यक्ष ने सोमवार को भोपों का बाड़ा स्थिति क्षत्रीय फूल मालियान पंचायत के मन्दिर में महाआरती व पौष बड़ा कार्य₹ मों में भाग लिया। यहां उनके साथ निहाल चन्द सांखला और क्षेत्रावासी उपस्थित रहे। उन्होंने कचहरी रोड़ राम मार्केट का लोकापर्ण किया। पूर्व पार्षद अनीश मोयल सहित स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उन्होंने फॉयसागर रोड़ स्थित खत्राी धर्मशाला में राम झांकी में भी भाग लिया। यहां सीताराम शर्मा उनके साथ रहे । उन्होंने खाईलैण्ड विकास समिति द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में भाग लिया। उन्होंने जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा पर सुन्दरकांड में भाग लिया। यहां नर्सिंग एसोसिएशन के महिपाल चौधरी सहित स्टाफ उपस्थित रहा। उन्होंने नया बाजार चौपड़ पर विशाल भण्डारे में भी शिरकत की। यहां अध्यक्ष रमेश सोनी सहित व्यापारी उपस्थित रहे।

विधानसभा अध्यक्ष ने पंचोली चौराहे पर राम आरती, दाहरसेन स्मारक के पास राम मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा, नन्देश्वर महादेव मन्दिर में आरती, पड़ाव में राम दरबार आरती, वार्ड 80 में राम मेला एवं आतिशबाजी में भी भाग लिया।

राजस्थान के इन तीन नए जिलों पर संकट, भजन लाल सरकार ने दिया यह जवाब

जयपुर. अशोक गहलोत सरकार ने राजस्थान को नए जिलों का तोहफा दिया था। मगर नई सरकार आने के बाद इन जिलों को लेकर तस्वीर साफ नहीं हो पाई है। खासकर उन तीन जिलों को लेकर अब भी असमंजस की स्थिति बनी हुई, जिनकी घोषणा चुनाव से ऐनवक्त पहले की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने टोंक जिले के मालपुरा और चूरू जिले के सुजानगढ़ को अलग जिला बनाने का ऐलान किया था। इनके अलावा डीडवाना जिले में आने वाले कुचामन को भी अलग जिला बनाने की भी घोषणा हुई थी। इसे लेकर कांग्रेस विधायक हरीशचंद्र मीना ने बुधवार को विधानसभा में प्रश्न लगाया।

सभी पाठकों को फतेह एक्सप्रेस परिवार की ओर गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाए

स्वामी, प्रकाशक एवं संपादक मुबारक खान के लिए डीबी कॉर्प लिमिटेड, माकड़वाली रोड़, अजमेर से मुद्रित एवं कार्यालय : 409 / 33 , अँधेरी पूल, पाल बीचला, पटेल नगर, अजमेर से प्रकाशित।
संपादक एवं प्रकाशक # मुबारक खान मोबाइल 92148 39374 RNI Title Code : RAJBIL27060 Website : www.fatehexpress.in समस्त विवादों के लिए न्याय क्षेत्र अजमेर होगा।